हिंदी साहित्य (वैकल्पिक विषय) मुख्य परीक्षा 2026

हिंदी साहित्य ऑगमेंटेड टेस्ट सीरीज (ATS)

- कुल: **12 टेस्ट**
  - 08 सेक्शनल टेस्ट (पेपर I और II में 4-4 टेस्ट)
  - 4 फुल लेंथ टेस्ट
- विस्तृत समाधान और परीक्षण चर्चा
- मूल्यांकन सभी प्रश्नों का
- मूल्य संवर्धन के लिए संक्षिप्त एवं सारगर्भित हैंडआउट्स
- व्यक्तिगत मेंटोर्शिप
- **एक आदर्श विद्यार्थी पाठ्यक्रम के लिए**
  - कम से कम एक बार पाठ्यक्रम तो पूरा पढ़ लया हो
  - पेपर 1 और 2 में 260 अंक या उससे अधिक अंक प्राप्त करने में असफल हुए हो

STARTS **05** जून 2025

वैकल्पिक उत्तर लेखन फोकस समूह (O-AWFG)

- कुल: **36 टेस्ट**
  - प्रति सप्ताह 2-3 उत्तर लेखन परीक्षण
  - प्रत्येक परीक्षण में 5 प्रश्न होंगे
- मूल्यांकन सभी प्रश्नों का
- विस्तृत समाधान और परीक्षण चर्चा
- व्यक्तिगत मेंटोर्शिप
- **एक आदर्श विद्यार्थी पाठ्यक्रम के लिए**
  - बुनियादी बातों को मजबूत करना चाहते हों
  - संरचित योजना का पालन करने के लिए अनुशासन की आवश्यकता हो
  - सूक्ष्म स्तर पर विषयों पर चर्चा करने के लिए तैयार हो

STARTS **16** मई 2025

COHORT - 1

【जो छात्र समग्र रूप से तैयारी करना चाहते हैं, वे ATS और OAWFG दोनों में नामांकन ले सकते हैं】

Forum Learning Centres • NEW DELHI • GURUGRAM • PATNA • HYDERABAD • TRIVANDRUM • BHOPAL • KOLKATA • JAIPUR • PUNE • BENGALURU

NEW DELHI: 2ND FLOOR, IAPL HOUSE, 19, PUSA ROAD, OPP. METRO PILLAR 95-96, KAROL BAGH - 110005

admissions@forumias.academy | https://academy.forumias.com 9311740400 9311740900

ForumIAS

IAS मुख्य परीक्षा 2026

हिंदी साहित्य (वैकल्पिक विषय)

हिंदी साहित्य ऑगमेंटेड टेस्ट सीरीज (ATS)

8 सेक्शनल टेस्ट (पेपर 1 और 2 में 4-4) + 4 फुल लेंथ टेस्ट)

प्रारंभ – **05th जून 2025** (कैलेंडर परिशिष्ट I में)

ऑगमेंटेड टेस्ट सीरीज (ATS) के विषय में :

हिंदी साहित्य की ऑगमेंटेड टेस्ट सीरीज प्रोग्राम को इस प्रकार डिजाईन किया गया है की इसके माध्यम से हिंदी साहित्य विषय का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम कवर किया जा सके | टेस्ट सीरीज में कुल 12 टेस्ट है जिनमे 8 सेक्शनल टेस्ट (फुल लेंथ) और 4 फुल सिलेबस (फुल लेंथ) टेस्ट शामिल हैं | प्रत्येक टेस्ट के बाद गहन मूल्यांकन, विस्तृत समाधान और परीक्षा चर्चा का आयोजन किया जायेगा |

ATS यह सुनिश्चित करेगा:

- छात्र उस पैटर्न और **कठिनाई स्तर** पर लिख रहे हों जो परीक्षा के प्रश्न पत्रों का अनुकरण करता है।
- मॉडल उत्तरों के निर्माण के दौरान केवल **उच्च स्तरीय मानक** पुस्तकों और स्रोतों का उपयोग।
- प्रश्नों की भाषा-शैली और प्रकृति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुरूप हो और गहन समझ एवं ज्ञान पर आधारित हो। उनके द्वारा लिखे गए उत्तरों का पूर्ण **मूल्यांकन और फीडबैक** प्रदान किया जायेगा
- उन्हें **विस्तृत समाधान और परीक्षण चर्चा प्रदान** की जाएगी, जो उनके उत्तरों की गुणवत्ता बढ़ाएगी

वैकल्पिक उत्तर लेखन फोकस समूह (O-AWFG)

36 उत्तर लेखन टेस्ट

प्रारंभ – **16th मई 2025** (कैलेंडर परिशिष्ट II में)

वैकल्पिक उत्तर लेखन फोकस समूह (O-AWFG) के बारे में :

वैकल्पिक उत्तर लेखन फोकस समूह एक उत्तर लेखन कार्यक्रम है जो वैकल्पिक विषयों के लिए तैयार किया गया है। इसमें प्रति सप्ताह 2-3 उत्तर लेखन परीक्षण शामिल होंगे। प्रत्येक परीक्षण में 5 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का व्यापक मूल्यांकन किया जाएगा।

O-AWFG चार प्रमुख समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करता है:

- **मुख्य परीक्षा 2026** के लिए वैकल्पिक विषय की तैयारी हेतु एक नियमित और प्रतिबद्ध समय प्रदान करना।
- **एक व्यवस्थित और चरणबद्ध अध्ययन योजना** उपलब्ध कराना।

  महत्वपूर्ण और प्रासंगिक **पिछले वर्ष के प्रश्नों (PYQs) को शामिल करना**, क्योंकि UPSC वैकल्पिक विषयों में प्रश्नों को दोहराने की प्रवृत्ति रखता है।
- वैकल्पिक विषय के **उत्तर लेखन अभ्यास में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना।**

मेंटरशिप: समर्पित मेंटरशिप के माध्यम से छात्रों को उत्तर लेखन में सुधार से सम्बंधित फीडबैक उपलब्ध कराया जायेगा साथ ही वैकल्पिक विषय से जुड़ी किसी भी विषयवस्तु से जुडी सहायता भी दी जायेगी । मेंटरशिप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही माध्यम में सहजता से उपलब्ध है। छात्र अपेक्षित प्रस्तुति और सामग्री सुधार पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए मेंटर के साथ अपने पेपर पर चर्चा कर सकते हैं।

विशेष : जो छात्र समग्र रूप से अपने वैकल्पिक विषय हिंदी साहित्य की तैयारी करना चाहते हैं, वे *ATS* और *O-AWFG* दोनों में नामांकन ले सकते हैं ।

शुल्क (Fees):

ForumIAS हिंदी साहित्य ATS: ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों छात्रों के लिए कार्यक्रम शुल्क **12,000/- रुपये** (सभी करों सहित) है।

ForumIAS हिंदी साहित्य O-AWFG: ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों छात्रों के लिए कार्यक्रम शुल्क **12,000/- रुपये** (सभी करों सहित) है।

शुल्क में छूट:

यह कार्यक्रम फोरमआईएएस जीएस फाउंडेशन और एमजीपी छात्रों के लिए 3000/- रुपये के डिस्काउंट पर उपलब्ध है। यह कार्यक्रम फोरमआईएएस पीटीएस छात्रों के लिए 2,000/- रुपये के डिस्काउंट पर उपलब्ध है। यह कार्यक्रम ऊपर बताए गए पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से फोरमआईएएस छात्रों के लिए 1,000/- रुपये के डिस्काउंट पर उपलब्ध है।

शुल्क भुगतान एवं नामांकन

छात्र नीचे दिए गए माध्यमों से शुल्क का भुगतान कर कार्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं:

- वेबसाइट: https://academy.forumias.com पर जाकर नेट बैंकिंग / डेबिट / क्रेडिट कार्ड / यूपीआई आदि के माध्यम से भुगतान करके।
- ऑफ़लाइन मार्गदर्शन केंद्र* पर जाकर और क्रेडिट कार्ड / डेबिट कार्ड / चेक / डीडी के माध्यम से भुगतान करके।

किसी भी जानकारी के लिए आप हमें **+91 – 93117 40900** | + **91 – 93117 40400** पर कॉल कर सकते हैं या admissions@forumias.academy पर हमें लिख सकते हैं।

नियम एवं शर्तें

- एक बार भुगतान किया गया शुल्क वापस नहीं किया जायेगा। पाठ्यक्रम किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरित भी नहीं किया जा सकता।
- पाठ्यक्रम **30 सितंबर 2026** तक वैध रहेगा।
- कॉपी जमा करने के 7 कार्य दिवसों के अंदर आपकी टेस्ट कॉपियों का मूल्यांकन किया जाएगा। उम्मीदवारों को समय पर मूल्यांकन हेतु टेस्ट जारी होने के तीन सप्ताह के भीतर टेस्ट जमा करने का प्रयास करना चाहिए। हमारा सुझाव है कि आप टाइम-टेबल को ध्यान में रखे और निर्धारित दिनांक पर ही टेस्ट लिखे। 7 कार्य दिवस पर मूल्यांकन की प्रतिबद्धता केवल इस समयावधि में प्रस्तुत कॉपियों के लिए ही मान्य है।
- कार्यक्रम नॉन-रिफंडेबल और गैर-हस्तांतरणीय है। ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में कोई अंतर नहीं है-अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र आकर या घर बैठे ही टेस्ट लिखकर हमें स्कैन की गई कॉपियां भेज सकते हैं।
- ForumIAS का प्रत्येक कार्यक्रम ForumIAS अकाउंट से एक निश्चित मोबाइल नंबर से जुड़ा हुआ है। किसी भी कार्यक्रम को साझा करने की अनुमति नहीं है। यदि उम्मीदवार कार्यक्रम साझा करते पाए जाते हैं, तो ForumIAS उम्मीदवार को कोई धनवापसी किए बिना उस या सभी कार्यक्रमों तक पहुंच समाप्त करने के लिए स्वतंत्र होगा। कंपनी ऐसे कंटेंट को साझा करने और बेचने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर सकती है।
- ForumIAS को अपनी क्षमता के अनुसार प्रवेश बंद करने का पूरा अधिकार होगा। ForumIAS किसी भी आपात स्थिति के मामले में अपने कार्यक्रम में संशोधन करने के लिए स्वतंत्र होगा।
- **अप्रत्याशित घटना**: फ्लेविएंट नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड ("FNPL") इस कार्यक्रम को सर्वोत्तम प्रयास और सद्भावना के आधार पर वितरित करेगा। कार्यक्रम की सदस्यता लेने से, आप समझते हैं कि किसी अप्रत्याशित घटना, जैसे प्राकृतिक आपदा, विपत्ति, महामारी का प्रकोप, दुर्घटना, शारीरिक क्षति, कार्यक्रम के वितरण में सीधे तौर पर शामिल किसी भी व्यक्ति की बीमारी के मामले में FNPL कार्यक्रम को संशोधित, परिवर्तित या बंद करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और इससे उत्पन्न होने वाले किसी भी वित्तीय दायित्व के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। सभी विवाद दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अधीन होंगे

Annexure – I (ATS Calendar)

#	DAY and DATE | Paper Code	TOPICS
PAPER 1		
1	बृहस्पतिवार , 05 जून 2025 (936201)	प्रश्नपत्र-1खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का इतिहास)
2	बृहस्पतिवार , 19 जून 2025 (936202)	प्रश्न पत्र-1 खंड 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)
3	बृहस्पतिवार , 03 जुलाई 2025 (936203)	प्रश्नपत्र-1 खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)
4	बृहस्पतिवार , 10 जुलाई 2025 (936204)	प्रश्न पत्र-1 खंड 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

5	बृहस्पतिवार , 24 जुलाई 2025 (936205)	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
PAPER 2		
6	बृहस्पतिवार , 07 अगस्त 2025 (936206)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य
7	बृहस्पतिवार , 21 अगस्त 2025 (936207)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य
8	बृहस्पतिवार , 28 अगस्त 2025 (936208)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य
9	बृहस्पतिवार , 04 सितम्बर 2025 (936209)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य
10	बृहस्पतिवार 11, सितम्बर 2025 (936210)	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम
11	**प्रीलिम्स परीक्षा के बाद**	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
12	**प्रीलिम्स परीक्षा के बाद**	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम

Annexure – II (O-AWFG Calendar)

#	DAY and DATE	TEST TYPE	TOPICS
1.	16 मई, 2025 | शुक्रवार	DAWT (936301)	**खंड : 'क' 1.** अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। 2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
2.	19 मई, 2025 | सोमवार	DAWT (936302)	3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। 4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास। 5. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
3.	21 मई, 2025 | बुधवार	DAWT (936303)	6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
4.	23 मई, 2025 |	DAWT (936304)	8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। 9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।

	शुक्रवार		
5.	26 मई, 2025 | सोमवार	DAWT (936305)	10. नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। 11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।
	28 मई, 2025 | बुधवार	**936201**	**प्रश्नपत्र-1 खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)**
6.	30 मई, 2025 | शुक्रवार	DAWT (936306)	**खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)** 1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा।
7.	02 जून, 2025 | सोमवार	DAWT (936307)	**2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ** (क) आदिकाल , (ख) भक्ति काल , (ग) रीतिकाल, (घ) आधुनिक काल, (ड.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। **प्रमुख कवि**
8.	04 जून, 2025 | बुधवार	DAWT (936308)	**3. कथा साहित्य:** (क) उपन्यास और यथार्थवाद (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास (ग) प्रमुख उपन्यासकार (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास। (ड़) प्रमुख कहानीकार
9.	06 जून, 2025| शुक्रवार	DAWT (936309)	**4. नाटक और रंगमंच :** (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख नाटककार (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास
10.	09 जून, 2025| सोमवार	DAWT (936310)	**5. आलोचना :** (क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख आलोचक 6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।
	11 जून, 2025| बुधवार	**936202**	**खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)**
11.	13 जून, 2025	DAWT (936311)	**खंड : 'क' 1.** अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप।

	शुक्रवार		2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
12.	16 जून, 2025 | सोमवार	DAWT (936312)	3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। 4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास। 5. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
13.	18 जून, 2025 बुधवार	DAWT (936313)	6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।
14.	20 जून, 2025 शुक्रवार	DAWT (936314)	9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध। 10. नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। 11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।
	23 जून, 2025 सोमवार	**936203**	**प्रश्नपत्र-1 खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)**
15.	25 जून, 2025 बुधवार	DAWT (936315)	**खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)** 1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा।
16.	27 जून, 2025 शुक्रवार	DAWT (936316)	**2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ** (क) आदिकाल , (ख) भक्ति काल , (ग) रीतिकाल, (घ) आधुनिक काल, (ड.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। **प्रमुख कवि**
17.	30 जून, 2025 सोमवार	DAWT (936317)	**3. कथा साहित्यः** (क) उपन्यास और यथार्थवाद (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास (ग) प्रमुख उपन्यासकार (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास। (ड़) प्रमुख कहानीकार **4. नाटक और रंगमंच :** (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख नाटककार (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास

18.	02 जुलाई, 2025 बुधवार	DAWT (936318)	**5. आलोचना :** (क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख आलोचक 6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।
	04 जुलाई, 2025 शुक्रवार	936204	**खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)**
	07 जुलाई, 2025 सोमवार	936205	**प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम**
19.	09 जुलाई, 2025 बुधवार	DAWT (936319)	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य** 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल
20.	11 जुलाई, 2025 शुक्रवार	DAWT (936320)	3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड) 4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
21.	14 जुलाई, 2025 सोमवार	DAWT (936321)	5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर 6. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती
22.	16 जुलाई, 2025 बुधवार	DAWT (936322)	7. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा 9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र
23.	18 जुलाई, 2025 शुक्रवार	DAWT (936323)	10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा) 11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।
	21 जुलाई, 2025 सोमवार	936206	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य**
24.	23 जुलाई, 2025 बुधवार	DAWT (936324)	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य** 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
25.	25 जुलाई, 2025 शुक्रवार	DAWT (936325)	3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)। 4. निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय।
26.	28 जुलाई, 2025 सोमवार	DAWT (936326)	5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय) 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त
27.	30 जुलाई, 2025	DAWT	7. यशपाल : दिव्या

	बुधवार	(936327)	8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल
28.	01 अगस्त, 2025 शुक्रवार	DAWT (936328)	9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)
	04 अगस्त, 2025 सोमवार	936207	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य**
29.	06 अगस्त, 2025 बुधवार	DAWT (936329)	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य** 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल 3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड)
30.	08 अगस्त, 2025 शुक्रवार	DAWT (936330)	4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास 5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर 6. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती
31.	11 अगस्त, 2025 सोमवार	DAWT (936331)	7. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा 9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र
32.	13 अगस्त, 2025 बुधवार	DAWT (936332)	10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा) 11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।
	16 अगस्त, 2025 बुधवार	**936208**	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य**
33.	18 अगस्त, 2025 सोमवार	DAWT (936333)	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य** 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
34.	20 अगस्त, 2025 बुधवार	DAWT (936334)	3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)। 4. निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय।
35.	22 अगस्त, 2025 शुक्रवार	DAWT (936335)	5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय) 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त 7. यशपाल : दिव्या
36.	25 अगस्त, 2025 शनिवार	DAWT (936336)	8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल 9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)
37.	**27 अगस्त, 2025 बुधवार**	**936209**	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य**

38.	**29 अगस्त, 2025 शुक्रवार**	**936210**	**प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम**
	प्रीलिम्स परीक्षा के बाद		**प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम**
	प्रीलिम्स परीक्षा के बाद		**प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम**

DETAILED SYLLABUS

s.no	**TOPICS**
1	**प्रश्नपत्र-1खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)** 1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। 2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। 4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और देवनागरी लिपि का विकास। 5. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का मानकीकरण। 6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। 9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध। 10. देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। 11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।
2	**प्रश्न पत्र-1 खंड 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)** **1.** हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा। **2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ** **(**क) आदिकालः सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कविः चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति। (ख) भक्ति कालः संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। (ग) रीतिकालः रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। (घ) आधुनिक कालः (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र।

	(ड.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। प्रमुख कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन। **3. कथा साहित्यः** (क) उपन्यास और यथार्थवाद (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास (ग) प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी। (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास। (ड़) प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। **4. नाटक और रंगमंच :** (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश। (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास। 5. **आलोचना :** **(क)** हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा। **(ख)** प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। **6.** हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।
3	**प्रश्नपत्र-1 खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)** 1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। 2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। 4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और देवनागरी लिपि का विकास। 5. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का मानकीकरण। 6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। 9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध। 10. देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। 11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।

4	**प्रश्न पत्र-1 खंड 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)** **1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा।** **2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ** (क) आदिकालः सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कविः चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति। (ख) भक्ति कालः संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। (ग) रीतिकालः रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। (घ) आधुनिक कालः (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र। (ड.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। प्रमुख कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन। **3. कथा साहित्यः** (क) उपन्यास और यथार्थवाद (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास (ग) प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी। (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास। (ड़) प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। **4. नाटक और रंगमंच** : (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश। (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास। 5. आलोचना : (क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा। (ख) प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। 6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।
5	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम

6	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य** 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल 3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड) 4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास 5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर 6. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती 7. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा 9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र 10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा) 11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।
7	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य** 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन 3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)। 4. निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय। 5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय) 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त 7. यशपाल : दिव्या 8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल 9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)

8	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य** 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल 3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड) 4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास 5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर 6. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती 7. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा 9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र 10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा) 11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।
9	**प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य** 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन 3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)। 4. निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय। 5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय) 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त 7. यशपाल : दिव्या 8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल 9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)
10	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम
11	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
12	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम